वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 111 | शनिवार 19 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'अब घोषणाओं की जगह आगे की गारंटी दूंगा'

सीएम ने कहा-सरकार बनने पर अब दी हुई गारंटी पूरी करेंगे, 20 अगस्त से कार्ड बांटेंगे

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि मैंने घोषणाएं करने में कमी नहीं रखी है। मैंने कहा था आप मांगते-मांगते थक जाओगे, मैं देते-देते नहीं थकूंगा। अब चुनाव आने वाले हैं। चुनाव में घोषणाएं तो कर नहीं सकेंगे। इसलिए सोच रहा हूं, अब मैं घोषणाएं करने की जगह आगे के लिए गारंटी देना शुरू कर दूं। सरकार बनते ही आपको दी हुई गारंटी को पूरा करूंगा। गहलोत जयपुर में राजीविका सखी सम्मेलन में बोल रहे थे। गहलोत ने कहा- हम एक करोड़ महिलाओं को आगे फ्री स्मार्टफोन देने के लिए गारंटी कार्ड देने जा रहे हैं। 20 अगस्त से गारंटी कार्ड बांटने की शुरूआत करने जा रहे हैं। गारंटी कार्ड लेने वाली महिलाओं को आगे फ्री स्मार्टफोन मिलेंगे। महंगाई राहत कैंपों के जरिए भी 10 तरह की गारंटी दी गई है। आगे भी हम गारंटी देंगे। सरकार ने फैसले करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। राजस्थान का विकास हो रहा है। महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक स्कीम दे रहे हैं। महिलाएं भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। जिस प्रकार से हमारे प्रदेश की महिलाओं ने आगे आकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। वह मिसाल है। गहलोत ने कहा- राजीविका में महिलाओं ने अच्छा काम किया है। मुझे बताया गया है कि महिलाएं मीटिंग में आती हैं। धीरे-धीरे घूंघट अपने आप ऊपर हो जाता है, होना भी चाहिए। जब पहली बार पंचायत चुनाव हुए, महिलाएं गांव में सरपंच बनीं तो सरपंच बनने के बाद उनके पति सारा काम संभालते थे। गहलोत ने कहा- पहली बार जब सरपंचों के चुनाव हुए तो महिला सरपंच के पति साथ आते थे। मीटिंग में बैठते थे। सरपंच बनी पत्नी तो घूंघट में है। नीचे बैठी थी और सरपंच पति हमारे साथ ऊपर आकर बैठते थे। कई बार मीटिंग में पूछते थे कि आप सरपंच नहीं हो, आपकी पत्नी सरपंच है। आप ऊपर जाकर कैसे बैठ गए तो कहते थे कि मैं सरपंच पति हूं। मैं कहता था कि सरपंच पति, प्रधान पति, प्रमुख पति नई पोस्ट क्रिएट कर दी आप लोगों ने। अब हालात बदल गए हैं।

हमारे संस्कार अच्छे हैं, महिला पुरुष से पूछे बिना काम नहीं करती

गहलोत ने कहा- हमारे समाज में पुरुषों का वर्चस्व रहा है। हमारे संस्कार अच्छे हैं कि बिना पुरुष को पूछे हुए महिला काम नहीं करती। अब धीरे-धीरे महिलाएं अपने अधिकारों को समझ गई हैं। महिलाओं को संविधान में अधिकार दिया है। महिलाएं अब अपने संवैधानिक अधिकारों को उपयोग में ले रही हैं।

2030 तक विकसित राजस्थान बनाने में सुझाव दें महिलाएं

गहलोत ने कहा- हम 2030 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए विजन-2030 के तहत जनता से सुझाव ले रहे हैं। महिलाएं भी विजन 2030 में अपने सुझाव दें। 2030 तक क्या करना चाहिए, प्रदेश को किस तरह विकसित करना है, उस पर अपने सुझाव दीजिए।

पर्यटन भवन में मनाया गया सद्भावना दिवस, अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयन्ती के अवसर पर पर्यटन भवन में शुक्रवार को सद्भावना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सद्भावना दिवस की शपथ ली। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के मुख्य लेखाधिकारी गार्गी सिंह, संयुक्त निदेशक महेंद्र मोहन सिंह उदावत, राजेश कुमार शर्मा, पवन जैन, पुनीता सिंह, लेखाधिकारी ताराचंद मड़ीवाल, जनसंपर्क अधिकारी प्रवीण प्रकाश चौहान सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किये बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करने की प्रतिज्ञा ली। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गाँधी की जयन्ती के अवसर पर प्रतिवर्ष 20 अगस्त सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 20 अगस्त को राजकीय अवकाश होने के कारण सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को आज ही सद्भावना दिवस की शपथ दिलाई गई है।

पार्श्वनाथ भवन में दीक्षार्थी की छोल भराई का कार्यक्रम हुआ

रमेश गंगवाल. शाबाश इंडिया

जयपुर. कासं। ''मैं अंतिम तीर्थंकर भगवान श्री वर्धमान स्वामी के द्वारा प्रारूपित अनादिकालीन श्रमण धर्म की शरण को स्वीकार करता हूं, मैं समस्त पूर्व आचार्यों की शरण को स्वीकार करता हूं, पूज्य महाराज श्री मुझे जिनेश्वरी दीक्षा देकर अनुग्रहित करें।'' उक्त शब्दों की भावांजलि दिनांक 23 अगस्त 2023 को दीक्षार्थी महानुभाव राजकुमार गंगवाल परम पूज्य उपाध्याय भगवंत 108 श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज के श्री चरणों में निवेदित करेंगे। इससे पूर्व सुखद संयोग रहा ,की श्री दीक्षार्थी महानुभाव आज दिनांक 18 अगस्त 2023 शुक्रवार श्रावण शुक्ला द्वितीया के दिन पार्श्वनाथ भवन में प्रातः 9 बजे पधारे। उक्त जानकारी देते हुए मुनि संघ प्रबंध समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया की महानुभाव की भवन प्रांगण में छोल भरने का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अनीता जी जैन सोगाणी के मंगलाचरण से हुआ। और देव वंदना के पश्चात डा० माधुरी जी जैन का संयम और दीक्षा पर उद्बोधन हुआ। प्रबंध समिति के मंत्री श्री ओम प्रकाश काला ने पधारे हुए सभी महानुभावों का स्वागत अभिनंदन किया ।पश्चात जिनवाणी स्तुति के साथ दीक्षार्थी के दीक्षा भावों की अनुमोदना की गई।

तीये की बैठक

पूजनीय

प्रकाश चन्द जी जैन

का आकस्मिक निधन 18-8-2023 को हो गया। तीये की बैठक 20-8-2023 रविवार को प्रातः 9.00 बजे श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर अग्रवाल फार्म, थड़ी मार्केट मानसरोवर जयपुर पर होगी।

शोकाकुल : विमल कुमार बनेठा, कमल कुमार, ताराचन्द, जयकुमार (भाई), ललिता देवी (पत्नी), शिल्पा-मुकेश (पुत्री-दामाद),चेतन-रंजिता (पुत्र-पुत्रवधू), दिशान्त-भावेश (पोत्र), जितेन्द्र, विनोद, निलेश (भतीजे), तारा-हुकुमचंद, सुशीला-सुरेश (बहन-बहनोई), इशू-निखिल (दोहिता-दोहिती), वन्दना-कमलेश, श्वेता-ललित (भतीजी-जवाई), पीयूष, दैव्यांक, नयना-हितेश, कृतिका (पोत्र-पोत्री/जवाई) एवं समस्त सोगानी परिवार बनेठा वाले

ससुरालपक्ष : माणक चंदजी,प्रेमचंदजी, महावीर प्रसादजी एवं समस्त काला परिवार निवाई

भव्य दीक्षा समारोह 23 अगस्त को

आमेर जयपुर की धरा पर प्रथम बार

जयपुर. शाबाश इंडिया। परमपूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 श्री विमल सागर जी महामुनिराज के अंतिम दीक्षित शिष्य पूज्य उपाध्याय 108 श्री ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज के कर कमलों से प्रथम जैनेश्वरी दीक्षा आगामी श्रावण शुक्ल सप्तमी (मोक्ष सप्तमी) दिनांक 23 अगस्त 2023 बुधवार को प्रातःकाल 9:15 बजे से ऐतिहासिक नगरी आमेर, जयपुर में होने जा रही है। दीक्षार्थी ब्र. राजकुमार जैन गंगवाल होंगे।

अथर्व भारद्वाज ने पियानो पर दी देशभक्ति गीतों की रोचक प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया। लाल कोठी के अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल में स्वाधीनता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर योगा व डांस कक्षा-3 के छात्र अथर्व भारद्वाज ने पियानो पर देशभक्ति गीतों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी,इन प्रस्तुतियों को उपस्थित श्रोताओं ने खूब झुमाया।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत कबूतरों को चुग्गा डाला

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सेवा सप्ताह के दौरान सामाजिक कार्यक्रम दिनांक 18 अगस्त को सुबह 8:15 बजे पीकॉक गार्डन मालवीय नगर में कबूतरों को चुग्गा वितरण (सुकेश सपना काला के सौजन्य से) किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राहुल जैन ने बताया कि अंजना गंगवाल के जन्म दिवस पर केक भी काटा गया कार्यक्रम में अभय गंगवाल पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य समन्वयक सुनील सोगानी उपाध्यक्ष एवं समन्वय, राजेंद्र जैन सचिव, सुकेश काला संगठन मंत्री, अजय जैन, रश्मि जैन उपस्थित थे।

नदिया बेरी भई ऐ मोरो सैया बुलाए आधी रात

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रुति मंडल, कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा दो दिवसीय शास्त्रीय संगीत संध्या के दूसरे दिन पश्चिम बंगाल की पीउ मुखर्जी ने अपने शास्त्रीय गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया । उन्होंने अपने कार्यक्रम की शुरूआत राग जोग से की । उसके बाद एक ठुमरी ''नदिया बेरी भई ए मोरो सैया बुलाए आधी रात'' बहुत ही सुरीले अंदाज में पेश की। उन्होंने टप्पा, कजरी, मौसम और झूला सुना कर शास्त्रीय संगीत की गायकी का परिचय दिया और अंत में पीउ मुखर्जी ने दादरे से कार्यक्रम का समापन किया। इनके साथ तबले पर पिनाकी चक्रवती, हारमोनियम पर सुब्रतो भट्टाचार्य, सारंगी पर डॉ मुराद अली ने असरदार संगतकर कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी। तानपुरे पर अर्पिता चक्रवर्ती और आयुष्मान शर्मा ने संगत की। कार्यक्रम का संचालन अनंत व्यास ने किया और प्राचीर सुराणा ने धन्यवाद व्यक्त किया।

गर्भवती महिलाओं को पोषण पोटली किट वितरण किए

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल कुमार जैन सीए के जन्म दिन पर महावीर इंटरनेशनल वीरा धरा कुचामन सिटी द्वारा आज डीडवाना रोड पर वात्सल्य स्वस्थ मां व स्वास्थ्य शिशु जागरूक अभियान के तहत सेवा प्रकल्प के अपेक्स से प्राप्त पोषाहार किट डीडवाना रोड कच्ची कांजर बस्ती में 10 प्रेग्नेंसी महिलायो को प्री प्रेग्नेंसी पोषण आहार किट (किट में दलिया, ताल मखाना गुड, चना, गेट, बादाम, बीटा मिश्री , सोफ) प्रदान कर किए व महिलाओं को ममता कार्ड व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देकर ओर आगे भी सहयोग का आश्वासन देती संस्था अध्क्ष्या वीरा सरोज पाटनी, सचिव वीरा शारदा वर्मा , कोषाध्यक्ष वीरा मंजू बड़जात्या कार्यक्रम में वीरा सुनिता गंगवाल , वीरा रेखा, मनीषा , कल्पना पहाड़िया, वीरा विजयाकोर वीरा कविता अग्रवाल, वीरा अनिता , वीरा नीलम, मंजू काला, वीरा उषा झांझरी, वीरा राखी बड़जात्या ने सहयोग किया। **वीरा शारदा वर्मा सचिव**

अशुभ कर्मो से डरो, भगवान से नहीं, क्योंकि अशुम कर्मो के कारण ही जीवन मे दुख :आते है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। डरना है तो अपने अशुम कर्मो से डरो भगवान से मत डरो। शुक्रवार श्री एस.एस. जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार मे महासती धर्म प्रभा ने सैकड़ों श्रध्दांलूओ को धर्मसभा मे धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि मनुष्य को भगवान से डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि कर्म हमारे अशुभ है तो भगवान भी हमे संसार तिरा नहीं पाएंगे। जीवन मे सुख और दुःख जो आते हैं वो हमारे कर्मो के आधार पर ही आते है। शुभ कर्म का फल सुख के रूप में और अशुभ व पाप कर्म का फल दुःख के रूप में अलग अलग भोगना पड़ता है। बिना भोगे कोई कर्म छूटता वा क्षय को प्राप्त नहीं होने वाला है। भगवान से डरने के बजाय, अगर हम हमारी गलतियों से हमे डरना चाहिए। भगवान हमें सजा नहीं देते है बल्कि कर्म हमारे हमे सजा देते है। जिन्दगी की राहें आसान नहीं है इसमें सुख है तो दुख भी, आनंद है तो चिन्ता भी अपनापन है तो परायापन भी हमे सत्कर्मो का आचरण तथा असत कर्मो का त्याग करेगे तो हमारी यह आत्मा पवित्र और पावन बन जाएगी। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्याय का वांचन करते हुए कहा कि जो मनुष्य अन्याय और अनिती एवं अधर्म के मार्ग पर चलतें है ऐसे व्यक्ति कि आत्मा नरक मे अलग -अलग स्थानों मे भंयकर वेदनाओं को अंनत बार दुःखो और कृष्टो को भोगती है।

वेद ज्ञान

जीवन के सुख

मनुष्य कई अनुभवों से गुजरने के बाद ही जीवन की मूलभूत प्रवृत्ति को समझ पाता है। क्या है जीवन की यह मूलभूत प्रवृत्ति? वास्तव में जीवन बिलकुल वैसा नहीं होता, जैसा हम उसे तनाव व दबाव में महसूस करते हैं। जीवन जीव और वन दो शब्दों से मिलकर बना है। इसका तात्पर्य है कि वन में जो कुछ प्राकृतिक रूप में उपलब्ध है, उसी से मनुष्य को अपनी जीवनचर्या चलानी चाहिए। अब मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं के बीच रहता है, लेकिन यह सभी को उपलब्ध नहीं हैं। इस असंतुलन से ही समाज में समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसी परिस्थिति में दुख और अभाव झेल रहे मनुष्यों के सम्मुख स्वयं को भावनात्मक रूप से संतुलित करने की चुनौती होती है। मानव मन में दया भावना वह आदर्श स्थिति है, जो कितने ही संघर्षों के बाद भी पीड़ित व उपेक्षित मानवों को एक-दूसरे के प्रति प्रेम-अनुराग से बांधे रखती है। ईश्वर के मुक्त हस्त से प्रकट मानव जीवन अपने नैसर्गिक स्वरूप में कहीं भी असंतुलित नहीं है। इस स्थिति में न कोई धनी है, न निर्धन। किसी का जीवन अभाव और पीड़ा में भी नहीं हो सकता। जब तक संसार में प्राकृतिक आपदा से उथल-पुथल न हो, तब तक मानव का जीवन सदा सुखी, आनंद बटोरने के लिए ही निर्धारित है। तब क्या कारण है कि आज का मनुष्य चिंता, अधीरता, रक्तचाप, परस्पर मतभेदों व विवादों से घिर कर जीवन को भावनात्मक रूप में संकीर्ण करने पर तुला हुआ है। हमें इस पतन से बचना चाहिए। इसके लिए हमें स्थान-काल-परिस्थिति का ध्यान रखते हुए अपनी प्रकृति प्रदत्त स्थिति को कम से कम वैचारिक व भावनात्मक रूप में तो अपनाना ही चाहिए। मानव को प्रकृति से एक स्वाभाविक भावना प्राप्त है। वह है, दया भावना। अंतर्मन में दयालुता का भाव व्यक्ति को शांत प्रवाहित जल की तरह रखता है। दया भाव अपने मूल रूप में सदा विद्यमान रहे, हमारा यही प्रयास होना चाहिए। प्राकृतिक नियमों के अनुसार चलने वाले व्यक्ति के जीवन को बुरे, नकारात्मक भाव तथा वैचारिक आंदोलन से उपजी कुंठा स्पर्श भी नहीं कर पाती। जीवन में सभी बुरे कर्म वैचारिक रूप से आंदोलित, असंतुलित तथा विचलित रहने से ही प्रकट होते हैं। परंतु दयालु व्यक्ति का स्वभाव हर परिस्थिति में सम होता है। किसी भी विषय पर उसका वैचारिक पक्ष निःशेष होकर भावनात्मक स्वरूप धारण कर लेता है। दयावान व्यक्ति का भौतिक अस्तित्व स्वयं उसके लिए गौण रहता है।

संपादकीय

आम लोगों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह उपलब्धियों के साथ-साथ अनेक स्तर पर खड़ी चुनौतियों पर बात की, उससे यही संदेश सामने आया है कि वे आने वाले वक्त में भी अपनी सक्रियता में कमी नहीं करने वाले हैं। यों आमतौर पर उनके भाषणों में समग्रता से तमाम मुद्दों पर बात होती है, उनका विस्तार होता है और उससे आगे बढ़ने की दृष्टि होती है, लेकिन इस बार स्वतंत्रता दिवस पर फिर उन्होंने फिर यही दशार्या है कि देश में समस्याओं की व्यापकता के बरक्स उनका मोर्चा अभी कमजोर नहीं हुआ है। यह प्रधानमंत्री के रूप में लगातार उनका दसवां संबोधन था, जिसमें उन्होंने देश को यह आश्वासन देने की कोशिश की कि हर तरह की समस्याओं का हल निकाला जाएगा और उनकी नजर से कुछ छूट नहीं रहा है। मसलन, पिछले दिनों मणिपुर में अशांति और हिंसा पर उनके जवाब की मांग लेकर विपक्ष ने मोर्चा खोला था।

लेकिन लाल किले से संबोधन में उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत में ही मणिपुर में हिंसा को लेकर चिंता जाहिर की और कहा कि केंद्र सरकार अब राज्य के साथ मिल कर समाधान के प्रयास कर रही है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान वैश्विक स्तर पर भारत की जो सकारात्मक छवि बनी है, उसके लिए लगातार किस स्तर के प्रयास किए गए, वह अब जगजाहिर है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने आने वाले दशकों में देश के तिरंगे को विकसित भारत का प्रतीक बनाने का जनता से आह्वान किया। खासतौर पर उन्होंने तीस साल के कम के युवाओं के महत्त्व का जिस अर्थ में जिक्र किया, उसे बेहतरीन क्षमताओं के सार्थक उपयोग के संकेत के तौर पर देखा जा सकता है। यह भविष्य के सपने के साथ-साथ आम लोगों का मनोबल ऊंचा करने की कोशिश भी है। इस क्रम में सरकार की स्थिरता के महत्त्व का जिक्र करते हुए उन्होंने पिछले दो आम चुनावों में मजबूत सरकार के गठन और सुधारों में उसकी भूमिका को रेखांकित किया। स्वाभाविक ही इसमें नौकरशाही की भी जिम्मेदारी रही और इसे भी वे नहीं भूले। भविष्य की दृष्टि में अतीत की कमजोरियों की पहचान एक अहम पहलू रही है। इसलिए प्रधानमंत्री की इस बात की अहमियत को भी समझा जा सकता है कि देश के अतीत में गुलामी की दुखद तस्वीरें है तो भविष्य में असीम संभावनाएं हैं। आने वाले दशकों में दुनिया के तमाम देशों में अर्थव्यवस्था ही टिकाऊ विकास की धुरी रहने वाली है। इस लिहाज देखें तो एक बार फिर प्रधानमंत्री के इस दावे को भविष्य के आईने में देखा जाएगा कि दस साल में देश की अर्थव्यवस्था को दसवीं से उठा कर पांचवीं अर्थव्यवस्था बनाया गया। इसके समांतर वैश्विक स्तर पर महंगाई एक गंभीर चुनौती के रूप में दिख रही है और भारत भी इससे जूझ रहा है। एक बड़ी उपलब्धि का मोर्चा देश में आतंकवाद की समस्या से निपटना रहा, जिसमें प्रधानमंत्री की इस बात पर गौर किया जा सकता है कि आज देश में आतंकी हमलों में कमी आई है और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव आया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बुनियादी समस्या

दिल्ली के एक स्कूल में महज दो किताबें न ला पाने की वजह से एक छात्र की बुरी तरह पिटाई की खबर यही दर्शाती है कि सरकार से लेकर अदालतों तक के दिशा-निर्देशों के बावजूद कुछ शिक्षकों के भीतर कुंठा की प्रवृत्ति बदस्तूर कायम है। अफसोसनाक यह भी है कि दिल्ली के शिक्षा माडल का हवाला देने में यहां की आम आदमी पार्टी की सरकार हमेशा बढ़-चढ़ कर दावे करती रहती है, लेकिन सच यह है कि स्कूलों में बच्चों को यातना दिए जाने की सबसे बुनियादी समस्या को खत्म करना अब तक संभव नहीं हो सका है। खबर के मुताबिक, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के तुकमीरपुर में स्थित एक राजकीय स्कूल में छठी कक्षा के एक विद्यार्थी को एक विषय की किताब घर पर भूल जाने की बात पर शिक्षक ने बच्चे को इस तरह थप्पड़ जड़े कि उसकी गर्दन में सूजन आ गई। बच्चे की तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर मामले ने तूल पकड़ा और थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई। अब मामले की जांच होगी, लेकिन सवाल यह है स्कूलों में उत्पीड़न के इस पाठ पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। गौरतलब है कि स्कूलों में किसी भी कारण से बच्चों को शारीरिक या मानसिक दंड पर सख्त पाबंदी है। शिक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान यह बताया भी जाता रहता है कि कक्षा में उन्हें बच्चों के साथ बेहद मानवीय और नरम तरीके से पेश आना चाहिए। किसी भी बात पर पिटाई तो दूर, डांट-फटकार से भी पूरी तरह बचना है लेकिन सच यह है कि इसके बावजूद कुछ शिक्षक वैसी बातों पर भी आपा खो देते हैं, जिन्हें मामूली प्रयासों से भी सुलझाया या समझा जा सकता है। दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों में आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनमें कुछ शिक्षक विद्यार्थी के किताब न लाने या किसी अन्य कारण का हल बच्चों को पीटना ही मानते हैं। दिल्ली में पिछले साल दिसंबर में एक शिक्षिका ने पांचवीं कक्षा की एक बच्ची की न सिर्फ पिटाई की, बल्कि उसे पहली मंजिल से नीचे भी फेंक दिया था। यों देश भर से स्कूलों में कभी गृहकार्य न करने तो कभी किसी अन्य बात पर बच्चों के खिलाफ शिक्षकों के हिंसक बर्ताव की खबरें अक्सर आती रही हैं। ऐसी कुछ घटनाओं में तो बच्चों की जान भी जा चुकी है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम से लेकर कई अन्य स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों को मानसिक या शारीरिक दंड देने और भेदभाव को कानूनन प्रतिबंधित किया गया है। खुद सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस मसले पर काफी पहले सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। लेकिन अब तक स्कूलों में समग्र रूप से इस प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगाई जा सकी है। जहां तक दिल्ली का सवाल है, तो आम आदमी पार्टी की सरकार यहां की शिक्षा व्यवस्था का ढिंढोरा देश भर में पीटती रहती है, लेकिन स्कूलों में शिक्षकों के बर्ताव से इतर यह भी बताए जाने की जरूरत है कि खुद सरकार के कितने विधायक, मंत्री या अफसरों के बच्चे दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और इसके क्या कारण हैं? किसी भी परिस्थिति में बच्चों की पिटाई करने वाला शिक्षक एक तरह से शिक्षण कार्यों की कसौटी पर अपनी अयोग्यता दर्शाता है। शिक्षण पद्धति के हर स्तर पर विद्यार्थी की किसी कमी को दूर करने के लिए बाकायदा व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक के लिए प्रारूप तय है और सभी शिक्षकों को उसका विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है।

जैन धर्म के 23वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ के निर्वाणोत्सव पर विशेष

क्यों होता है पार्श्वनाथ के ऊपर फण धारी सर्पउपसर्ग विजेता - पार्श्वनाथ के ऊपर फण धारी सर्प उपसर्ग का प्रतीक

जिन मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ के जिन बिम्ब के ऊपर प्रायः फण फैलाया हुआ सर्प दृष्टिगोचर होता है, जो उनपर हुए घोर उपसर्ग का प्रतीक है। जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकर में से वर्तमान काल में घोर उपसर्ग को सहन करने वाले तेइसवें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ स्वामि कहे गये है । वर्तमान काल में सबसे अधिक जिनबिम्ब तथा जिन मन्दिर भगवान पार्श्वनाथ के दिखाई देते हैं। पार्श्वनाथ भगवान को संकट मोचक पार्श्व भी कहा जाता है।

कमठ और मरुभूति: भगवान पार्श्वनाथ पर कमठ नामक जीव द्वारा घोर उपसर्ग किए जाने बाबत शास्त्रों में लिखा है । राजा अरविन्द के दो मंत्री कमठ और मरुभूति थे। कमठ बड़ा भाई अत्यन्त दुष्ट प्रकृति का, दुर्व्यवहारी था, जबकि छोटा भाई मरुभूति सज्जन और सद्व्यवहारी था। एक दिन मरुभूति को राज्य कार्य से नगर से बाहर जाना पढ़ा तब कमठ ने छोटे भाई की पत्नी के साथ दुव्यवहार करना चाहा। जब राजा को यह बात ज्ञात हुई तो उसने कमठ को देश निकाला दे दिया, अतः वह तापसी बनकर जंगल में रहने लगा और कुतप करने लगा, मरुभूति के लौट आने पर, सब घटना ज्ञात होने पर भातृ-प्रेम के कारण वह कमठ के पास गया और पैर पड़ते हुए क्षमा-याचना पूर्वक घर चलने की प्रार्थना करने लगा। तब कमठ ने और अत्यधिक क्रोधित हो उस पर शिला पटक दी, जिससे मरुभूति दुध्यान पूर्वक मरण कर कई भव से गुजरने के उपरांत सोलहकारण भावनाओं का चिंतन कर तीर्थकर प्रकृति का बंध किया। तब सिंह के द्वारा भक्षण किये जाने पर समाधि पूर्वक मरण कर आनत स्वर्ग में इन्द्र हुआ ।

तीर्थंकर का जीव: जम्बूद्वीप भरत क्षेत्र के काशी देश स्थित

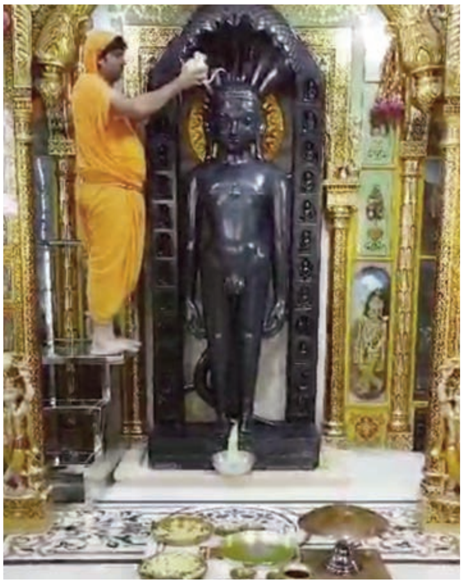

वाराणसी नगरी में राजा अश्वसेन राज्य करते थे उनकी महारानी वामादेवी ने आनत स्वर्ग के इन्द्र को आज से करीब तीन हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्णा एकादशी को तीर्थकर सुत के रूप में जन्म दिया। और यह जीव स्वर्ग से च्युत हो, श्री पार्श्वनाथ तीर्थकर बना।और उधर कमठ का जीव आगे चलकर शम्बर नामक देव बना ।

धरणेन्द्र पद्मावती: इधर सोलह वर्ष की अवस्था में बालक पार्श्व नगर के बाहर वन बिहार करते हुए अपने नाना महीपाल के पास पहुँचे। वहाँ पंचाग्नि नामक साधु तप के लिए लकड़ी फाड़ रहा था, इन्होंने उसे रोका और बताया कि लकड़ी में नागयुगल है। वह नहीं माना और क्रोध से युक्त होकर उसने वह लकड़ी काट डाली। उसमें जो नागयुगल था वह कट गया। मरणासन्न सर्पयुगल को इन्होंने संबोधित किया जिससे शान्तचित हो नाग युगल अगले भव में धरणेन्द्र और पद्मावती हुए।

तीर्थंकर पर उपसर्ग : इधर जब पार्श्व प्रभु तेला का नियम लेकर देवदारु वृक्ष के नीचे ध्यानावस्था में थे तब पूर्व जन्म के वैमनस्य भाव लिए कमठ के जीव शम्बर नामक देव ने सात दिन तक इन पर विभिन्न प्रकार के घोर उपसर्ग किये । उसी समय उस नाग युगल के जीव धरणेन्द्र और पदमावती ने आकर अपने पर किए उपकार स्वरूप पार्श्व नाथ के उपसर्ग का निवारण किया। इसी कारण भगवान पार्श्व का प्रतीक चिन्ह सर्प है तथा जिन बिम्ब के ऊपर फण फैलाया हुआ नाग दृष्टिगोचर होता है।

निर्वाण: इसके बाद चैत्र कृष्णा त्रयोदशी के दिन प्रातःकाल घातिया कर्म नष्ट हो जाने से प्रभु को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ तथा श्रावण शुक्ला सप्तमी के दिन प्रातः बेला में अष्टकर्मों को नाश कर स्वर्ण भद्र कूट सम्मेद शिखर से निर्वाण को प्राप्त किया जहां मोक्ष कल्याण के दिन लाखों श्रद्धालु दर्शनार्थ पहुँचते है ।

पदम जैन बिलाला
अध्यक्षः श्री दिगम्बर जैन मन्दिर
जनकपुरी - ज्योतिनगर, जयपुर

दो दिवसीय राखी एवम अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

आज 19 अगस्त को भी रहेगी चालू

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के बंधन ग्रुप द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय महिलाओ द्वारा महिलाओ के उत्थान एवम स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य हेतु दिनांक 18 एवम 19 अगस्त 2023 को प्रदर्शनी का उद्घाटन आज जयपुर शहर के मालविया नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक काली चरण सर्राफ द्वारा किया गया। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी एवम बिक्री शहर के दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 3, मालविया नगर, जयपुर में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर जैन समाज के विमल, श्रीमती सुलोचना बाकीवाला एवम डॉक्टर निधि पाटनी ने दीप प्रज्वलित किया। इस शुभ अवसर पर विधायक काली चरण सर्राफ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवम प्रदर्शनी के आयोजकों एवम स्टॉल लगाने वाले को प्रदर्शनी की सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रत्येक स्टॉल पर प्रदर्शित सामान का अवलोकन किया एवम आव्हान किया की इस प्रदर्शनी में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर महिलाओ एवम आयोजकों का उत्साह वर्धन करे। यह प्रदर्शनी इसी स्थान पर 19 अगस्त को भी चालू रहेगी।

“संगिनी मैन ने किया एक लाख ग्यारह हजार रुपए का सेवा कार्य”

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी मैन उदयपुर ने मेवाड़ मारवाड़ रीजन के सानिध्य में जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन का 44 वाँ स्थापना दिवस बड़े ही हर्ष व उल्लास के साथ मनाया। रीजन चेयरमैन अनिल नाहर द्वारा ध्वजारोहण किया गया। नाहर ने फेडरेशन सेवा सप्ताह के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों के साथ ही आगामी कार्यक्रमों की जानकारियां भी दी। आठ दिवसीय फेडरेशन सेवा सप्ताह के अवसर पर संगिनी मैन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सरोज बोलिया द्वारा एक लाख रुपये पक्षी शाला के निर्माण हेतु मेवाड़ रीजन को सहायता राशि भेंट की साथ ही वृद्धजनों के उपयोग हेतु चार स्टिक भी आयड़ जैन तीर्थ को भेंट की। संगिनी मैन ग्रुप की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती शांता जी बोर्दिया द्वारा वृद्धजनों / रोगियों के उपयोग हेतु एक व्हील चेयर आयड़ जैन तीर्थ पर भेंट की गई। संगिनी मैन उदयपुर की अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया की फेडरेशन स्थापना दिवस के अवसर पर संगिनी मैन उदयपुर ग्रुप द्वारा कुल एक लाख ग्यारह हजार रुपए का सेवा कार्य किया गया। डॉ प्रमिला जैन,मंजु सरुपरिया,डॉ शिखा लोढ़ा,नमिता मेहता,मंजु भाणावत,चंद्रकांता मेहता द्वारा महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर गीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई। स्थापना दिवस के कार्यक्रम में रीजन के बोर्ड मेम्बर्स, जॉन कोऑर्डिनेटर्स, कमेटी चेयरमैन, जेएसजी एवं संगिनी ग्रुप के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

कीर्ति नगर में प्रथम कांवड़, कलश यात्रा और बाबा अमरनाथ (बर्फानी) की झांकी 20 को

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के टोंक रोड़ के कीर्ति नगर में स्थित श्री कीर्तिश्वर महादेव मंदिर (तिकोना मंदिर) प्रथम कांवड़ एवं कलश यात्रा का आयोजन रविवार, 20 अगस्त को होगा। यह यात्रा नीलकंठ महादेव मंदिर से प्रातः 9 बजे से आयोजित की जायेगी, इस यात्रा में मंदिर समिति द्वारा कांवड़ लेकर आने वाले श्रद्धालुओं का सम्मान किया जायेगा, साथ ही बैंड - बाजों और भोलेनाथ के जयकारों वाली इस यात्रा में महिलाएं सर पर मंगल कलशों को धारण कर सम्मिलित होगी। मंदिर समिति सचिव अरविंद अग्रवाल ने बताया की रविवार को प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक प्रथम कांवड़ और कलश यात्रा का आयोजन होगा, इसके पश्चात सायं 7 बजे से बाबा अमरनाथ (बर्फानी बाबा) की भव्य झांकी का भी आयोजन रखा गया है। जिसमें हजारों श्रद्धालुगण सम्मिलित होगे और भगवान भोलेनाथ की अद्भुत झांकी के दर्शनों का लाभ प्राप्त करेगे। इस आयोजन के साथ ही सायं काल में भोजन प्रसादी का भी आयोजन रखा गया है।

शनिवार को आचार्य सौरभ सागर के सानिध्य में निकलेगी दीक्षार्थियों की बिनौली यात्रा, जैन श्रावक करेंगे गोद भराई

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के दक्षिण भाग के प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दो जैन दीक्षार्थियों की भव्य बिनौली यात्रा और गोद भराई का कार्यक्रम शनिवार 19 अगस्त को आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा। ब्रह्मचारी राजकुमार गंगवाल की दीक्षा 23 अगस्त को राजधानी के आमेर स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्यक्ष उर्जयन्त सागर महाराज के करकमलों द्वारा संपन्न होगी और ब्रह्मचारिणी विमला दीदी की दीक्षा कर्नाटक के श्रवणबेलगोला (गोमटेश्वर बाहुबली) में गणिनी आर्यिका रत्न विशुद्धमति माताजी की शिष्या गणिनी आर्यिका रत्न विशिष्टमति माताजी के द्वारा विजय दशमी वाले दिन जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी। श्री पुष्पवर्षयोग समिति कार्याध्यक्ष दुर्गालाल जैन और मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या ने बताया की शनिवार को सायं 6.15 बजे से संत भवन में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में दोनो दीक्षार्थियों का परिचय करवाया जायेगा साथ ही समाज गणमान्य श्रेष्ठीजन अपना संबोधन करेगे, इसके उपरांत भगवान शांतिनाथ स्वामी व आचार्य सौरभ सागर महाराज की मंगल आरती की जाएगी। जिसके बाद श्री पुष्प वषायोग समिति, शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति, जैन महिला मंडल, जैन युवा मंडल, विशुद्ध वर्धनी बहु कला मंडल और धर्म जागृति महिला मंडल सहित

जयपुर जैन समाज के गणमान्य राजीव जैन गाजियाबाद वाले, रमेश आलोक जैन तिजारिया, कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन, राजस्थान जैन सभा कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र गंगवाल, प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां, चेतन जैन निमोडिया, बाबूलाल जैन इटुंदा, महेश सेठी, नरेंद्र जैन आंवा वाले, राजेंद्र सोगानी, कमल सोगानी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह की मौजूदगी में सायं 7.30 बजे दिक्षार्थियो को रथ में बैठाकर बैंड-बाजों और जयकारों के नगर यात्रा निकाल बिनौली यात्रा करवाई जायेगी, यह यात्रा संत भवन से प्रारंभ होकर विभिन्न मुख्य मार्गो से होते हुए मंदिर जी पर आकर संपन्न होगी। अंत में रात्रि 8.30 बजे मंदिर प्रांगण पर प्रताप नगर सेक्टर 8 जैन समाज की ओर से समिति अध्यक्ष कमलेश जैन और मंत्री महेंद्र जैन सहित कार्यकारिणी की उपस्थिति में दीक्षार्थियों की गोद भराई कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा, जिसके पश्चात समाज बंधुओ द्वारा गोद भराई की जायेगी।

गुरु जीवन को साक्षर नहीं सार्थक करते है: आचार्य सौरभ सागर

शुक्रवार को संत भवन में श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वचन में आचार्य सौरभ सागर महाराज ने कहा की - गुरु हमारे जीवन को साक्षर नहीं सार्थक करते है। श्रावक परमात्मा से मिलने के पूर्व जीते जी परमात्मा के प्रतिनिधि गुरु को स्वीकार करता है। गुरु को स्वीकार किए बिना परमात्मा तक नहीं पहुंचा जा सकता है। परमात्मा से मिलने वाले गुरु होते है; जो दिगंबर गुरु को स्वीकार किए बिना ही परमात्मा को पाना चाहता है वह बिना पुत्र बने पिता बनने का दुस्साहस करता है। इसलिए कबीरदास जी ने परमात्मा से ज्यादा महत्व गुरु को दिया है; क्योंकि गुरु अंगुली पकड़कर परमात्मा के द्वार तक ले जाते है। इसलिए पथ - प्रदर्शक गुरु को प्रथम स्वीकार किया गया है।

गुरू और परमात्मा से जुड़ने वाला श्रद्धा व विश्वास का रिश्ता अटूट : शास्त्री

गुरू को ही परमात्मा का स्वरूप मान उसके बताए मार्ग पर चलें। रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। संसार के सब रिश्तों में सबसे महत्वपूर्ण दो रिश्ते है एक परमात्मा ओर एक गुरू से। ये ही वह रिश्ते है जो जीवात्मा का कल्याण कर सकते है। कोई भी साधक गुरू के आशीर्वाद व ज्ञान के बिना मोक्ष की प्राप्ति नहीं कर सकता। मानव के मन में भरे अज्ञान के घोर अंधेरे को सद्गुरू ज्ञान की रोशनी से दूर करता है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने शुक्रवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत व्यक्त किए। उन्होंने गर्ग संहिता के माध्यम से चर्चा करते हुए कहा कि सद्गुरू ज्ञान रूपी नेत्रों में विवेक का अंजन डालकर आत्म दर्शन का मार्ग बता देते है। दुनिया में लौकिक रिश्ते एक न एक दिन टूटने ही है लेकिन गुरू और परमात्मा से श्रद्धा व विश्वास का रिश्ता होता है। यह एकाएक जुड़ता नहीं ओर जुड़ जाए तो टूटता नहीं है। गुरू ओर परमात्मा का रिश्ता शारीरिक नहीं होकर आत्मीय होता है। शास्त्रीजी ने कहा कि जीवात्मा के लिए गुरू परमात्मा का प्रतिनिधि होता है जो उसे परमात्मा तक पहुंचने का सद्मार्ग दिखाता है ओर अच्छे कर्म करने के लिए प्रेरित करता है। गुरू को मानव बुद्धि से नहीं ईश्वर बुद्धि से स्वीकार करना होगा। जीव को जगाने के लिए परमात्मा नहीं बल्कि उनके प्रतिनिधि बन गुरू ही आता है। भगवान का तो कभी सपना भी नहीं आता। उन्होंने कहा कि गुरू को ही परमात्मा का स्वरूप मान उसके बताए मार्ग पर चलने पर जीवात्मा मोक्ष को प्राप्त कर सकती है।

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ में प्रतिदिन हो रहा है श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान

गुंसी.निवाई. कासं

श्री दिगम्बर जैन सहस्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी जिला - टोंक (राज.) के श्री 1008 शांतिनाथ चैत्यालय में गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री शांतिनाथ महार्चना करने का सौभाग्य प्रदीप , संजय , अजय पांड्या , कोटा वालों को प्राप्त हुआ। श्री शांतिप्रभु जी की अखण्ड शांतिधारा करने हेतु जयपुर से लोगों का मेला लगा था। शांतिप्रभु के चरणों में शांति पाकर भक्तगण धन्य हो गये। 120 अर्घ्य चढ़ाकर शांति प्रभु की आराधना की गई। तत्पश्चात गुरु माँ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य सकल दिगम्बर जैन समाज मालवीय नगर से 7 जयपुर वालों ने प्राप्त किया। प्रवचन देते हुए गुरु माँ ने कहा कि - जो मनुष्य भक्ति भावों से शांति मन्त्र का जाप करता है उसके जीवन में कभी भी कष्ट - क्लेश नहीं आते।

सेवा सप्ताह में जनक परिवार ने वाटर कूलर भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन सेवा सप्ताह में 18 अगस्त को सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत जेएसजी जनक और जनक संगिनी परिवार की ओर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वरुण पथ मानसरोवर पर एक वाटर कूलर भेट किया। जनक सचिव मनोज जैन ने बताया कि इस कार्य को करते हुए जनक परिवार को बहुत प्रसन्नता हुई क्योंकि बच्चे पानी पाने स्कूल से बाहर मंदिर में जाते थे। इस अवसर पर नॉर्दन रीजन पी आर ओ राजेश संगीता काला, जे एस जी जनक अध्यक्ष रश्मि अनिल जैन, रोहित,विकास सीमा कविता निधि, सीमा गोधा, रेखा मित्तल, रेखा अग्रवाल राकेश सुनीला मित्तल, गुणमाला देवी, प्रेरणा लुहाड़िया एवं स्कूल स्टाफ उपस्थित रहे।

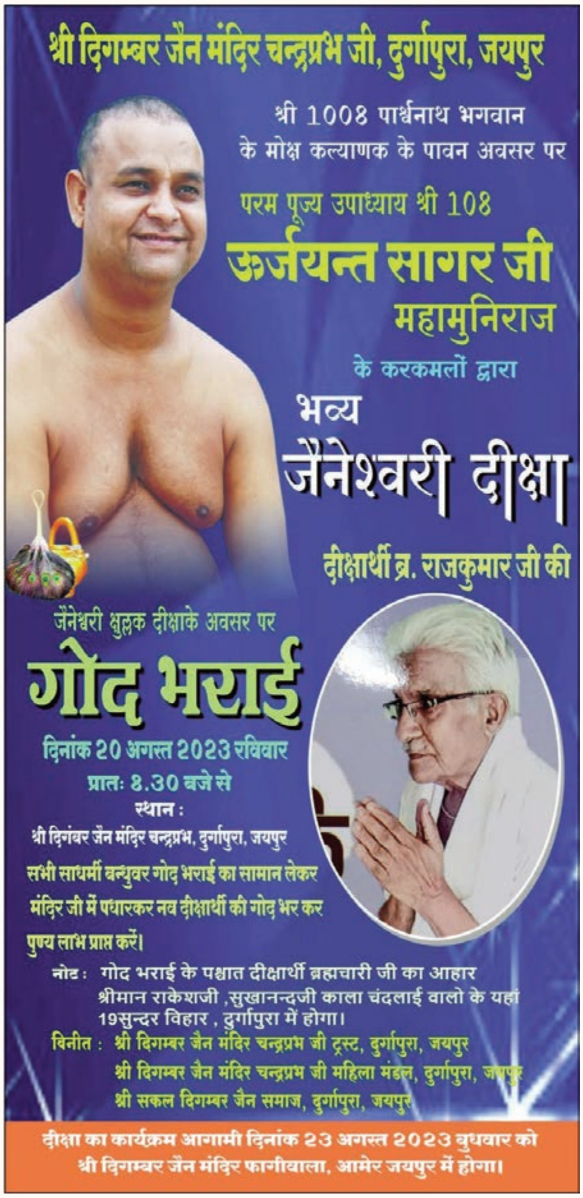

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

धर्म के मार्ग से जीवन का निर्माण और आत्मा का उत्थान होता है: साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

मनुष्य का जीवन सरल होगा तभी जीवन मे सुख आयेंगे है। अहिंसा भवन शास्त्री नगर महासती प्रितीसुधा ने लगातार बत्तीस दिनों से चन्द्र कला की तप आराधना करने वाले तपस्वियाओ और श्रध्दांलूओ को धर्म उपदेश प्रदान करते हुए कहा कि धर्म का मार्ग ही ऐसा मार्ग है जिससे मनुष्य जीवन का निर्माण और आत्मा का उत्थान कर सकता है। तप त्याग से

नवदिक्षीता साध्वी संयमसुधा ने भजन के माध्यम से तप की महिमा बताई...

शरीर शुध्द और आत्मा पवित्र बनती है और जीवन मेसरलता आती है मनुष्य जितना सरल और सहज रहेगा उतना ही जीवन का विकास कर सकता। नवदिक्षीता साध्वी संयमसुधा ने भजन के माध्यम से तप की महिमा बताई। श्री संघ के मुख्यमार्ग दर्शक अशोक पोखरना ने बताया कि इसदौरान चन्द्रकला तप कि आराधना करने सभी तपस्वी भाई बहनों का अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल, हेमन्त आंचलिया, सुशील चपलोत, रिखबचंद पीपाड़ा, हिम्मतसिंह बाफना, कूशलसिंह बूलिया और महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल, मंजू पौखरना, रजनी सिंघवी, उमा आंचलिया, अंजना सिसोदिया आदि ने महासती उमराव कंवर साध्वी प्रितीसुधा के सानिध्य मे शोल माला और पारितोषिक देकर तप करने वालो का सम्मान किया। प्रवक्ता निलिष्का जैन बताया कि दिव्य विभूति श्रमण सूर्य मरूधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा एवं लोकमान्य संत शेरे राजस्थान रूपचंद जी महाराज की जन्म जयंती समारोहों पंचदिवस आयोजन दिनांक 23 अगस्त से 27 अगस्त तक अहिंसा भवन मे साध्वी प्रितीसुधा के सानिध्य मे जयंती भव्य रूप से मनाई जायेगी।

मीडिया प्रवक्ता निलिष्का जैन, भीलवाड़ा

35वीं पुण्यतिथि 18.08.2023 पर

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती गोपीबाई छाबड़ा

धर्मपत्नी स्व. श्री भंवरलाल जी छाबड़ा

-: श्रद्धासुमन अर्पितकर्ता :-

मंगलचंद, हरकचंद -प्रेमलता, मोतीलाल- प्रदंप्रभा, कमलचंद - तारादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), चिरंजीलाल जी सेठी - कांता देवी, महावीर प्रसाद जी पाटनी - महेश देवी (बेटी-दामाद), मनीष - निशा, सपन - रजनी, रवि-रितु (पौत्र-पौत्रवधु), ममता - शरद सेठी (पौत्री- दामाद), मोहन्शी, कथांश, दैविक, वैदिक, संभव (प्रपौत्र - प्रपौत्री) आदि समस्त छाबड़ा परिवार।

-: प्रतिष्ठान :-

मनीष इंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर), मनीष छाबड़ा एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, एस. आर. ब्रदर्स (इलेक्ट्रिक सामान के विक्रेता), रवि एंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर)

1008 श्री दि. जैन शांतिनाथ चैत्यालय, इंजीनियरिंग कॉलोनी, मान्यावास मानसरोवर, जयपुर मो. 9314019230, 9928012288

भगवान महावीर का जन्म वांचन व 14 स्वपन अवतरण कार्यक्रम मनाया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री ओसवाल जैन पंचायती नोहरे में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संस्थान ब्यावर के तत्वाधान प. पू. गुरूवर्या दीपामाला श्रीजी आदि ठाणा3 की पावन निश्रा मे धूमधाम, हर्षोल्लास के साथ भगवान महावीर का जन्म वांचन व 14 स्वपन अवतरण कार्यक्रम मनाया गया जिसमे खरतरगच्छ संस्थान के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे, सपने जी को विराजमान करने मे बोली बोलकर बड़चढ़ कर हिस्सा लिया। पंचायती नोहरे खचाखच उल्लासित सदस्यो से भरा हुआ था। भगवान के पालना जी का लाभ मनीष कुमार मुकेश कुमार सुपुत्र पदम चंद कांकरिया परिवार ने लिया। कार्यक्रम के पश्चात साधर्मिक वात्सल्य का लाभ रिखबचंद , विकास कुमार, जितेंद्र कुमार , श्रेय जी खटोड़ परिवार ने लिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था श्री खरतरगच्छ युवा परिषद व खरतरगच्छ महिला परिषद एवम कुशल महिला मंडल ने संभाली। कार्यक्रम के पश्चात प्रभु की शोभा यात्रा मनीष कांकरिया के निवास स्थान के लिए निकाली गईं। कार्यक्रम मे श्री खरतरगच्छ संस्थान के अध्यक्ष बलवंत जी रांका, मंत्री रिखब चंद जी खटोड़ के साथ श्री संघ के सदस्य कंवर लाल जी रांका, पारस मल डाकलिया,डॉक्टर दौलत भंसाली, राजेश जैन, बहादुर कांकरिया, नवीन कांस्टिया, प्रेम चंद खटोड़, यशवंत रांका, आलोक सिंघवी, यशवंत रांका हुकमी चंद भंसाली, गनपत डोसी,पदम भंसाली, नरेंद्र भंडारी, शेलेंद्र बैगानी, राजेंद्र मेहता, राकेश भंडारी, संजय बरडिया, सुरेंद्र कोठारी, अनिल चोपड़ा, अशोक बुरड़, मुकेश चौपड़ा इत्यादि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वैराग्य की ऐसी लगन घर परिवार छोड़ अध्यात्म की राह पर चलें दीक्षार्थी- जैन संत मुनि सुयश सागर जी

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। कोडरमा जिले के प्रसिद्ध नगरी झुमरी तिलैया में परम पूज्य चर्या शिरोमणि मुनि श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य जैन संत मुनि श्री 108 सुयेश सागर जी महाराज का चातुर्मास झुमरी तिलैया में हो रहा है। इसी कड़ी में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विभव सागर जी महाराज आगामी 26 अक्टूबर को छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश शहर में 6 दीक्षा हो रहा गुरु के आशीर्वाद से अनुमति से गुरु के अनुमति मिलने के बाद सभी दीक्षार्थी सभी जैन संतों के चरणों में जाकर दर्शन कर रहे हैं एवं उनका समाज की ओर से गोद भराई और बिंदोरी का कार्यक्रम हो रहा है।